कान्हा तेरी - गैल तकत मैं हारी राशा दिन नहीं चैन- दैन नहीं उनंदिया sss 11211 उगजा हैल जिंडारी 11211 कान्हातरी---उराहर पाय-चीक उठ छाउँ ऽऽऽऽ ऽ।२॥ लगे सीत उजयारी ॥2॥ कान्हा तेरी---वेरी श्याम पीर-नहीं जाने ssss ॥२॥ हो गई भूल हमारी ॥2॥ कान्डा लेरी - -रोग प्रम को भयो सरवी री ऽऽऽऽ। ।।२।। हँसे आज नर नारी ॥2॥ कान्हा तेरी - - -उना श्रीवावाशी"सून-अर्जहमारीऽऽऽऽ।१२॥ लगे मील अब प्यारी अशा कान्डा नेरी --हारी रे ऽऽऽऽ ॥३॥ गैल तकत में हारी.